

असाधारग EXTRAORDINARY

भाग II---सण्ड 3--- जप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

735]

नर्द बिहली, श्कापार, नवम्बर 3, 1989/कार्तिक 12, 1911

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 3, 1989/KARTIKA 12, 1911 No. 7351

> इस भाग में भिल्म पुट्ट संख्या की जाती है जिससे कि यह जलग संकालन का रूप में रखाचासके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

भाषात व्यापार नियंत्रण

बादेश सं. 56/1988-91

नई दिल्ली, 3 नवस्वर, 1989

का. आ. १११ -- (घ):-- प्रायात तथा निर्यात (नियंक्षण) ग्रधि-नियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के अस्तर्गत प्रदत्त गिनितयों का प्रयोग करते, हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार, बाणिज्य संवालय की **प्रधिस्**चना स. का. धा.--343(घ) दिनोक 30 मार्च, 1988 के मन्तर्गत प्रकाशित खले सामान्य लाइसेंस सं. 15/88, दिनांक 30 मार्च. 1988 में एतद्वारा निम्निश्वित संशोधन करती है प्रयति:---

उस्त खुले सामान्य लाइसेंस में गर्त सं. (4) को हटा विया जाए।

(2) उक्त खले मामान्य लाइनेंस संख्या की अनुसूची की कम संख्या 3 भीर उसके सामने की प्रविष्टियों को हुटा दिया आए । [फाइल मं. श्रार्घ. पी. सी./4/पी-134/15/85-98[

हिष्पणी:---मुख्य घादेश 30 मार्च 1988 के का. आ. 343(म) के द्वारा प्रकाशित किया गय। था ।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control) ORDER NO. 56|88-91

New Delhi. the 3rd November, 1989

S.O. 911 (E) .- In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendments in the Open General Licence No. 15 88 dated the 30th March, 1988, published under the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 343(E) dated the 30th March, 1988, namely :-

In the said Open General Licence .--

- (i) Condition number (4) shall be omitted; and
- (ii) In the schedule to the said Open General Licence Serial number 3 and the entries there against shall be omitted.

[F. No. IPC]4[P-134]15[85-88]

NOTE: The principal Order was published vide Number S.O. 343(E) dated the 30th March, 1988.

प्रादेश में. 57/1988-91

का. था. 912 (श्र) - प्रायात (नियंक्षण) श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रवल्प गम्तियों का प्रयोग करते हुँ त् केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की अधिमुजना मं. का. था. 344 (भ्र) दिनांक 30 मार्च, 1988 के साथ प्रकाणित 30 मार्च, 1988 के जुले सामान्य लाइमेंन मं. 16/88 में एनद्द्वारा निस्त- लिखित संगोधन करती है, अर्थात्:--

उक्त खुले सामान्य लाइसेंस की गर्त सं. (14) के उपरास्त निम्नोकत करों को शामिल किया जाएगा, अर्थात्:---

- "(14क्त) भ्रतुसूची की मद सं. 16 में संदर्भित मैक्षिक, वैज्ञानिक भौर तकनीकी पुस्तकों के सामले में निम्नलिखित व्यक्ति पान्न भायातक होंगे।
- (1) विश्वविद्यालय जिनमें माने गए विश्वविद्यालय भौर मान्यन प्राप्त गीक्षक भौर भनुसन्धान स्थान शासोमिलहै ;
- (2) पक्सिक, राष्ट्रीय भीर राज्य पुस्तकालय ;
- (3) उच्च शिक्षा के संस्थान ;
- (4) प्रकाशक और पुस्तक विकेता जिनकी न्यूनतम पार्षिक विकी ग्राय 5 लाख र. है;
- (3) ग्रीवोगिक स्थापनामों की भनुसन्धान ग्रीर विकास इकाईयां ;ग्रीर
- (६) घपने व्यावसायिक प्रयोग हेनु वैज्ञानिक, इन्स्टर, इन्जीनियर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, एडवोकेट, सनवी लेखापाल इत्यादि, जसे व्यावसायिक व्यार्ते कि उनका एक वित्तीय वर्षे में आयात लागत बीमा भाड़ा मूल्य के 10,000/- घ. से घषिक का न हो ।
- "(14वा) प्रक्रिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी पुस्तकों के मामले में निम्नोक्त शर्ते लागृ होगीं:--
- (क) पुस्तकों के विदेशी संस्करण जिनका प्राधिकत भारतीय पुनर्मद्रण संस्करण उपलब्ध है, का भाषात भनुमेय नहीं होगा ;
- (ख) नारतीय प्रकाशन के विवेशी पुर्नमुक्कण के आयात की शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई विल्ली की विशिष्ट पूर्व लिखित प्रमुमति के विना अनुमेय नहीं किया जाएगा।
- (ग) भारतीय कोस्टलाइम्स के केवल ऐसे नौतंबालन सम्बन्धी बाटों के ग्रायात को ग्रनुमेय तभी किया जाएगा जबकि उनकी विकाय्द्रत: निकासी मुख्य हाइक्रोग्राफर, भारत सरकार, वेहरादून द्वारा की जाएगी ।
- (च) विवेशों में प्रकाशित पुस्तकों के श्रश्राधिकृत पुतर्भ्द्रणों के अध्यात को श्रमुमेय नहीं किया जाएगा ,
- (क) पूर्णेस: मैक्षिक स्थरप के रिकार्डों या प्री-रिकार्डिड माडियों तथा वीडियों कसेटों या विडियों डिस्क तथा प्री रिकार्डिय फ्लोबी डिस्क, जोकि पुस्तक के अभिन्न मंग हैं, का श्रायान किया जा सकता है अवार्ते कि सप्यायर ने प्रमाणित कर दिया है कि रिकार्ड या प्री रिकार्डिड कैसेट या वीडियों डिस्क या प्रीरिकार्डिड फ्लापी डिस्क पुस्तक के प्रभिन्न श्रंग है और सम्बद्ध बीजक में रिकार्ड/प्री रिकार्डिड माडियों तथा वीडियों

- (अ) प्रकाशक तथा पुरस्त विकेता साल की निकासी के समय सीमाणूलक प्राधिकारियों के समक्ष बहुरहाल दुकान तथा प्रतिष्ठान के पंजीकरण मध्यस्त्री सम्बद्ध विक्रि के प्रस्तर्गन प्रपते पंजीकरण की मूल काणी (जो इस समय वैद्य हैं) या ऐसे मूल की फोटो काणी प्रस्तुत वर्णेंगे या प्रजाशकों या पुरस्तक विकेताओं के किसी व्यावसाधिक संय को सबस्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर्णें। सतवी या लागा लेखाकार या कम्पनी मिलिव, जोकि फर्म का गाझिदार नहीं है निदेशक या फर्म के किसी कर्म आरो या इसके किसी 'सहुगोगी द्वारा पुस्तकों की वार्षिक विकी की प्राय को वर्णाते हुए दिया गया प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना अरोक्षित होगा ,
- (छ) गैक्षिक और अनुपक्षान पंस्थानां, उठ्य गिक्षा के संस्थानां तथा पिल्लक लाइवेनी को निकामी के समय सीमाशृत्क प्रोधिकारियों के सक्षध, केन्द्र या राज्य सरकार अथवा विश्वविद्यालय द्वारा, जमा भी मामला हो, उन्हें मान्यता दिए जाने से सम्बन्धी प्रमाणपत्र प्रस्तुन करना होगा और उन्हें इस आशय की एक घोषणा करनी होगी कि आधानित पुस्तकें उनके स्वयं के इस्तेमाल के लिए हैं। निजी का मे वित्त पोषित प्रनुमंधान संस्थानों को जिन्हें केन्द्र या राज्य सरकार से भौपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त नहीं है, इस अश्वय का प्रमाणपत्र प्रस्तुन करना होगा कि उन्हें उनके द्वारा किए अ। रहे अध्ययन या धनु-मंधान परियोजनाओं के लिए सरकार से धनुवान प्राप्त हुआ है;
- (ज) व्यावसायिकों को निकासी के ममय सोमाशुल्क प्राधिकारियों को संगत व्यावसायिक निकाय या संघ की प्राग्नी सदस्यता के सम्बन्ध में साक्ष्य प्रस्तुत करने होगें। उन्हें वर्ष के बौरान किए गए भायातों का विवरण भीर इस प्राणय की घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी कि लाइमेंमिंग वर्ष के दौरान उनका कुल भायात 10,000/- र. के मूल्य से अधिक का नहीं हुआ है;
- (झ) सीमाणुल्क से निकामी के समय प्रायातक को इस प्राणय की बोषणा देनी होगी कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तकों भामिल नहीं हैं जो प्रायात निर्यात नीति (खण्ड-1) 1988-91 के भनुसार प्रमुमेय नहीं हैं।
- "(1-ग) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पित्रकाओं, न्युज मैक्जीन और अखबारों के मामले में खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत सभी व्यक्तियों को उनका आयान करने की अनुमित होगी।"
- 2. उपल खुले सामान्य लाइसेंस की अनुसूची में कम सं. 15 के बाद निम्निलिखन कम मं. को शामिल किया जाएगा, श्रयति:----
 - "16(क) गैकिक, बैजानिक भीर तकनीकी पुस्तकें (श्रायात-किर्यात) नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिणिष्ट-8 की सूची-7 में विषयों की विस्तृत सूची दी गई है।
 - (ख) शैक्षिक, वैज्ञानिक और नक्तीकी पत्निकाएं, न्यूज माजींस धौर धबाबार ।"

[फाइल सं. ब्राई. पी ली./4/पी-134/15/85-88] तेजेन्द्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

टिप्पणि——मुख्य प्रावेश 30 मार्च, 1988 के का. था. 344 (थ) के द्वारा प्रकाशित किया गया था।
Order No. 57 | 1988——91

S.O. 912(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendments in the Or nent of India in the Ministry of Commerce No. S.O 344(E), dated the 30th March, 1988, namely:—

- 1. In the said Open General Licence-,
 - (i) after condition number (14), the following conditions shall be inserted; namely:—
 - "(14A) In the case of educational, scientific and technical books referred to in item number 16 of the Schedule, the persons eligible to import shall be,—
 - (i) Universities including deemed Universities and recognised educational and research institutions;
 - (ii) Public, National and State Libraries;
 - (iii) institution of higher learning;
 - (iv) publishers and book sellers, having a minimum annual sales turnover of Rs. 5 lakhs;
 - (v) research and development units of industrial establishments; and
 - (vi) professionals like scientists, doctors, engineers, University professers, advocates, Chartered accountants etc., for their professional use provided the c.i.f. value of imports by them shall not exceed Rs. 10,000 in a financial year."
 - (14B) In the case of import of educational scientific and technical books, the following conditions shall apply:—
 - (a) Import of foreign edition of books for which editions of nuthorised Indian reprints are available, will not be allowed.
 - (b) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a specific prior written permission of the Department of Education, Government of India, New Delhi.
 - (c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun.
 - (d) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed.
 - (c) Import of records or pre-recorded audio and video casset es or video disks and pre-recorded floppy disks forming an integral part of the book which are of purely educational nature can be made subject to the condition that the supplier has certified that records or pre-recorded cassettes or v

- integral part of the book and the connected invoice indicates the details of the records or pre-recorded audio and video casettes or pre-recorded lloppy diskettes or video disks.
- (f) Publishers and booksellers shall at the time of clearance of the goods produce to the Customs authorities the original currently valid registration under relevent law relating to registration of shops and establishments for the time being in force or a photo-copy of such original or evidence of membership of one of the professional associations of publishers or booksallers. A certificate from Chartered or Cost Accountant or Company Secretary who is not a partner, a director or an employee of the firm or its associates, indicating the annual sales turnover of books shall also be required to be produced.
- (g) Educational and research institutions, Institutions of Higher Learning and public libraries shall produce to the Customs authorities at the time of clearance, evidence of their recognition by Central or State Government or University, as the case may be, and a declaration to the effect that the books imported are for their own use. Privately funded research institutions which do not have formal recognition either by Central or State Government shall be required to produce evidence of having received Government grant for conducting studies or research projects undertaken by them.
- (h) Professionals shall produce to the Customs authorities at the time of clearance, evidence of their membership of the relevant professional body or association. They shall also be required to furnish a statement of imports made during the year and a declaration that the total imports do not exceed the value of Rs. 10,000 during the licensing year.
- (i) At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration to the affect that the books imported do not include those which are not allowed as per Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I).
- (14C) In the case of educational, scientific and technical journals, news magazines—and newspapers, import under Open General Licence shall be permitted by all persons."

the following serial number shall be inserted, namely:—

"16(a) Educational, scientific and technical books an illustrative hat of subjects is given in List 7 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I)

(b) Educational, scientific and technical journals; news magazines and newspapers.".

[File No. IPC|4|P-134|15|85-88]
TEJENDRA KHANNA,
Chief Controller of Imports & Exports

NOTE: The Principal Order was published vide Number S.O. 344(E) dated the 30th March, 1988.